सिनेमाहौल

फ़िल्म ईजिन

संकलन और संपादन

अजय ब्रह्मात्मज

आवरण कथा: दो सिरे हैं शाह रुख और मनोज

अशोक मिश्र
रश्मि भारद्वाज
विभा रानी
राजेश जोशी
शशांक दुबे
संजीव श्रीवास्तव

दीपक दुआ
स्वानंद किरकिरे
मनोरमा सिंह
अजित राय
संजीव चंदन
रश्मि रविजा
अवशेष चौहान
राजकुमार हिरानी
सौम्या अपराजिता
शैलेश गिरि
गीता श्री
विमल राय

प्रियंका दुबे
अनिरुद्ध दुबे
भवतोष पांडे
राकेश त्यागी
राकेश चतुर्वेदी ओम
डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी

दिसंबर, 2023

दिसंबर 2023

सिनेमाहौल

फ़िल्म ईजिन

संकलन और संपादन:

अजय ब्रह्मात्मज

मेरी बात

दिसंबर में साल 2023 में रिलीज फिल्मों के सफर को पलट कर देखने पर मनोरंजन के ऊबड़-खाबड़ जमीन दिखाई पड़ती है। कामयाबी की कुछ ऊंची पहाड़ियां हैं तो इनके बीच की घाटियों में सार्थक फिल्मों की छोटी-मोटी क्यारियां भी है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए परफॉर्मेंस के हिसाब से साल 2023 समतल या उत्थान का नहीं रहा है। महज आधा दर्जन फिल्में ही कमाई के हिसाब से कामयाब रहीं। लगभग इतनी ही अपनी कहानियों और प्रस्तुति के लिए भी याद रखी जाएंगी। मोटे तौर पर हर साल लगभग यही अनुपात रहता है, लेकिन वार्षिक कमाई का औसत अपेक्षाकृत बेहतर होता है। इस साल सिर्फ पांच फिल्मों ने अपनी कमाई से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है।

हिंदी में फिल्मों की कमाई बहुत मायने रखती है। आम दर्शक फिल्मों की कमाई के आंकड़े से प्रभावित होते हैं। फिल्म देखने या ना देखने के उनके निर्णय इस कमाई से तय किए जाते हैं। फिल्म निर्माताओं को दर्शकों को सिनेमाघर में लाने का कारगर नुस्खा मिल गया है। वे फिल्मों की कमाई बढ़ाकर संभावित दर्शकों को फिल्म देखने के लिए अनुप्राणित करते हैं। दर्शक इतने सहज और सीधे होते हैं कि वे निर्माता के बताए आंकड़ों पर यकीन करते हैं। उनके यकीन को ट्रेड पंडित के आंकड़े मजबूत कर देते हैं। एक हवा बनती है कि फिल्म चल रही है। जाहिर सी

बात है कि चल रही फिल्म को हर दिन नए दर्शक मिलते रहते हैं। ऐसी फिल्में मल्टीप्लेक्स में टिकी रहती हैं। दर्शक जब भी अपनी फुर्सत से सिनेमा घर पहुंचे उन्हें कोई ना कोई शो मिल ही जाता है। नुकसान छोटी और महत्वाकांक्षी फिल्मों को होता है। ऐसी फिल्मों की शो टाइमिंग थोड़ी असुविधाजनक होती है, इसलिए रहे-सहे दर्शक भी कम हो जाते हैं।

कह सकते हैं कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में दो सालों के सूखे के बाद थोड़ी बूंदाबांदी हुई है। कोरोना काल में हिंदी फिल्मों का बुरा हाल रहा। फिल्में कायदे से सिनेमाघर में रिलीज नहीं हो सकीं। कुछ फिल्में ओटीटी पर अवश्य आईं लेकिन उनके विषय और प्रस्तुति ने दर्शकों को नहीं लुभाया। बड़े कलाकारों की फिल्मों ने दर्शकों को निराशा ही किया। इस दौर में लोकप्रिय कलाकारों और स्थापित निर्माता-निर्देशकों की फिल्में भी दर्शकों की पसंद नहीं बन सकीं। इसी दौर में दक्षिण की कुछ फिल्मों ने हिंदी दर्शकों के क्षेत्र में बेहतर कारोबार किया। इन फिल्मों के हिंदी संस्करण के बिजनेस ने सभी को चौंकाया। दर्शकों के मन में यह बात बैठाई गई कि फिल्में तो दक्षिण में बन रही हैं। अब हिंदी फिल्मों की अखिल भारतीय लोकप्रियता का दौर खत्म हो चुका है। अब दक्षिण की फिल्में ही अखिल भारतीय हैं। साउथ की ही अब मेनस्ट्रीम है।

इसी पृष्ठभूमि में सिनेमाहौल के फिल्म ईजिन का दिसंबर अंक आ रहा है। इस साल प्रदर्शित और चर्चित हुई कुछ फिल्मों के रिव्यू हैं। उनके अलावा नियमित

कॉलम दिग्गज दृष्टि, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित और विस्तृत बातचीत भी है। पहले अंक को 1200 से अधिक पाठकों ने देखा और पढ़ा। उम्मीद है कि यह संख्या इस बार और बढ़ेगी। सिनेमाहौल फिल्म ईजिन में लिखने के लिए मैं नए और युवा लेखकों को आमंत्रित कर रहा हूं। नीचे दिए मेल आईडी पर अपने लेख भेजें।

अजय ब्रह्मात्मज

cinemahaul@gmail.com

अनुक्रम

आवरण कथा

शाह रुख खान मनोज बाजपेयी और अन्य प्रतिभाएं 8

'कटहल' : पकाने से उपजे अनुभव 17

अशोक मिश्र

एक स्त्री को क्यों नहीं चाहिए अल्फ़ा मेल 25

रश्मि भारद्वाज

समकाल: 2023 की फ़िल्में

'जोरम' का जोर 29

विभा रानी

जोरम 36

राजेश जोशी

कस्तुरी 40

विभा रानी

गदर-2: ऐसी दीवानगी देखी नहीं कहीं 48

शशांक दुबे

मुजीब: राष्ट्र-भाषा प्रेम की महागाथा 53

संजीव श्रीवास्तव

हरियाणवी फिल्म

फर्ज निभाती 'दादा लखमी' 62

दीपक दुआ

एनिमल 66

स्वानंद किरकिरे

जवान: एंग्रीमैन की वापसी 68

डॉ. रक्षा गीता

द आर्चीज 75

मनोरमा सिंह

लापता लेडीज 81

अजित राय

थैंक यू फॉर कमिंग 86

संजीव चंदन

सिर्फ एक ही बंदा काफी है 89

रश्मि रविजा

एनिमल 94

प्रियंका दुबे

कटहल 97

विभा रानी

छत्तीसगढ़ी फिल्म (सीजी फिल्म)

गुईयां 101

अनिरुद्ध दुबे

आकलन 2023

प्रीमैच्योर डेथ की घोषणा के बावजूद सुषुप्त और जाग्रत बना रहा हिन्दी सिनेमा 104

भवतोष पांडे

याद

दिलीप कुमार : अभिनेताओं के अभिनेता का कालजयी खुमार 110

राकेश त्यागी

2023 प्रवृति

कहानियों का कायाकल्प 125

अवशेष चौहान

निर्देशक की बात

मंडली... आई! 137

राकेश चतुर्वेदी ओम

गान ज्ञान

ऐ मेरे प्यारे वतन, ऐ मेरे बिछड़े चमन… 142

डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी

फिल्म इंडस्ट्री और समाज की कड़वी सच्चाई

विजयपत सिंघानिया का सच 149

शैलेश गिरि

पुस्तकांश

नाम, फल, फूल, शहर और सिनेमा 154

गीताश्री

विस्तृत बातचीत

धक्के खाकर ही सीखा है संभलना: राजकुमार हिरानी 168

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित

सिनेमा की प्रगति के पथ प्रदर्शक : बिरेन्द्र नाथ सरकार 181

सौम्या अपराजिता

दिग्गज दृष्टि

बॉक्स ऑफिस का चरित्र 192

विमल राय

शाह रुख खान मनोज बाजपेयी और अन्य प्रतिभाएं

साल के अंत में फिल्मों के आकलन और विश्लेषण का एक सामान्य तरीका है कि लेखक अपनी पसंद के 10 फिल्मों का उल्लेख करें। उल्लेख में ही वह उन फिल्मों के जरिए उपलब्धियों और फिल्मों की कमाई और कामयाबी का जिक्र कर दे। इस आवरण कथा में मेरी कोशिश रहेगी की 2023 में रिलीज हुई फिल्मों में सक्रिय प्रतिभाओं... खासकर पर्दे पर दिखे कलाकारों की प्रतिभा के संदर्भ में आकलन और विश्लेषण किया जाए। मेरी कोशिश रहेगी कि इस लेख में मुख्यधारा की फिल्मों के साथ ही उन फिल्मों में आई प्रतिभाओं का भी जिक्र करूं जो कमाई और कामयाबी में भले ही कम रही हों लेकिन जिनकी जबरदस्त सराहना हुई। हिंदी फिल्मों के सुधि दर्शकों और समीक्षकों ने निजी बातचीत और सोशल मीडिया पोस्ट में उनका उल्लेख किया।

इस आधार पर में फिल्म इंडस्ट्री के दो छोरों पर विराजमान प्रतिभाओं शाह रुख खान और मनोज बाजपेयी की बात करूंगा। गौर करें कि अभिनय में दोनों की शुरुआत लगभग एक साथ हुई! दोनों दिल्ली में रंगकर्मी और प्रशिक्षक बैरी जॉन के निरीक्षण और निर्देशन में अभिनय में पारंगत हुए। शाह रुख खान मुंबई पहले पहुंचे।

उन्होंने मुख्यधारा(कमर्शियल) फिल्मों से शुरुआत की। आने के साथ ही वह हिंदी फिल्मों के आकाश पर नए सितारे के तौर पर चमके। पिछले कुछ सालों में उनकी चमक थोड़ी धुंधली हो रही थी, लेकिन 2023 में उनकी धमाकेदार मौजूदगी दर्शकों के साथ फिल्म इंडस्ट्री ने भी महसूस की। शाह रुख खान के विपरीत मनोज बाजपेयी 'बैंडिट क्वीन' से शुरुआत करने के बाद बावजूद मुंबई थोड़ी देर से पहुंचे। आरंभ में चंद्र छोटी-मोटी फिल्में करने के बाद रामगोपाल वर्मा की फिल्म 'सत्या' से उनकी प्रतिभा की पहचान बनी। इन दोनों कलाकारों की राह और दिशा अलग रही। दोनों अपनी शैली और अंदाज से दर्शकों को प्रभावित करते रहे। 2023 में दोनों (शाह रुख खान और मनोज बाजपेयी) की तीन-तीन फिल्में रिलीज हुई हैं।